Volume 1, Issue.11, November 2013 ISSN:-2320-2882

ORIGINAL ARTICLE

मूल्यांकन में ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

डॉ. सुनीता भार्गव
प्राचार्य, संजय शिक्षक प्रशिक्षण (पी.जी.) महाविद्यालय, जयपुर

अध्यापन एक उद्देश्यपूर्ण प्रक्रिया है अध्यापन के उद्देश्यों की प्राप्ति के बारे में जानकारी मूल्यांकन के माध्यम से ही मिल पाती है। अतः अध्यापन के क्षेत्र में मूल्यांकन संबंधी आधुनिक प्रणाली का उपयोग करना अपरिहार्य बन चुका है। इसके लिए परीक्षण तैयार करना तथा उन परीक्षणों को प्रशासित करना जरूरी होता है। परीक्षण परिणामों के माध्यम से जहाँ छात्रों की उपलब्धि ज्ञात की जा सकती है, वहीं अध्यापकीय अध्यापन उद्देश्यों की प्राप्ति की सीमा के बारे में भी बोध हो पाता है। इससे अध्यापन स्तर सुधरने के लिये प्रयास किये जा सकते हैं।

अध्यापन एवं मूल्यांकन दोनों एक दूसरे के अंतः संबंधित होते हैं। मूल्यांकन के क्षेत्र में नित नए नवाचारों, अनुसंधानों को ग्रहण करना तथा उन्हें अध्यापन में सुधार हेतु अपनाना अति आवश्यक है।

ग्रेडिंग प्रणाली मूल्यांकन के क्षेत्र में एक नवाचार के रूप में सामने आई तथा ग्रेडिंग प्रणाली ने जहाँ एक ओर शिक्षकों के मानसिक बोझ को कम किया है वहीं दूसरी ओर उन्हें छात्रों के हर पहलू पर ध्यान देने की आवश्यकता ने अधिक सजग एवं सक्रिय बना दिया है। इस प्रणाली के प्रति शिक्षक व अभिभावक कैसा दृष्टिकोण रखते है तथा देश की उन्नति के लिए उनकी अभिवृत्ति जानने की आवश्यकता है। परम्परागत परीक्षा प्रणाली के दोषों को ध्यान में रखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने यह कदम उठाया है कि अब छात्र स्कूल या बोर्ड दोनो में से किसी एक विकल्प को चुनकर कक्षा 10 की परीक्षा देंगे। अकादमिक सत्र् 2010–2011 से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा सतत् और व्यापक मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थियों को ग्रेड प्रदान की जाएगी। इस प्रणाली में छात्रों का सतत् मूल्यांकन दो सत्रों में किया जायेगा एवं वर्ष में विद्यालय द्वारा चार रचनात्मक व दो समेकित मूल्यांकन किया जाएगा। पाठ्यक्रम व अंक योजना में भी कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। केवल अंकों के आधार पर ग्रेड प्रदान की जाती है।

समस्या का औचित्य :–

वर्तमान परिस्थिति में शिक्षा की गुणवत्ता में आई निरन्तर गिरावट को देखते हुए उस क्षेत्र में नित नए नवाचारों का प्रयोग जरूरी हो गया है। ग्रेडिंग प्रणाली इसी बदलाव की ओर इशारा करती है। अतः प्रयुक्त समस्या का अध्ययन करना मूल्यांकन के तथा अप्रत्यक्षतः शिक्षा के क्षेत्र में अत्यावश्यक है।

अध्यापकों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन प्रक्रिया पर काफी प्रभाव पड़ता है। वह किस तरह के मूल्यांकन को श्रेष्ठ मानता है। शिक्षक तथा अभिभावक किस प्रकार से मूल्यांकन के क्षेत्र में नित नए प्रयोगों को सहर्ष स्वीकारते हैं, ये सभी उनके दृष्टिकोण पर ही निर्भर करता है। ग्रेडिंग प्रणाली के संबंध में शिक्षक तथा अभिभावक क्या दृष्टिकोण रखते हैं यह जानना अत्यन्त जरूरी है। क्योंकि अध्यापक व शिक्षक यदि स्वयं ही इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं रखेंगे तो वे इस प्रणाली द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की बात किस आधार पर करेंगे। अतः एक शिक्षक व अभिभावकों की ग्रेडिंग प्रणाली के बारे में दृष्टिकोण जानने के उद्देश्य से यह शोध अध्ययन किया गया है।

समस्या कथन :–''शिक्षकों एवं अभिभावकों का मूल्यांकन की ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।''

उद्देश्य :–

1. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

Please c ite this Article as : डॉ. सुनीता भार्गव ,मूल्यांकन में ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन: International Journal Of Creative Research Thoughts, Volume 1, Issue.11, November 2013

2. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति अभिभावकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
3. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
4. माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों का ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
5. माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों तथा पुरूष शिक्षकों का ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
6. माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष शिक्षकों का ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
7. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों तथा महिला शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
8. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों तथा महिला शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

जनसंख्या :–

प्रस्तुत शोध में सीबीएसई विद्यालयों के शिक्षक एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों के अभिभावकों को जनसंख्या के रूप में स्वीकार किया गया है।

न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में न्यादर्श के अन्तर्गत निजी व सरकारी केन्द्रीय विद्यालयों के 60–60 शिक्षक, जिनमें 30 पुरूष एवं 30 महिला शिक्षक चयनित किये गये हैं। साथ ही इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के 20 महिला एवं 20 पुरूष अभिभावकों को ही यादृच्छिक न्यायदर्श चयन विधि से चयन कर न्यायादर्श का आधार बनाया गया है।

परिकल्पनाएँ :–

1. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति अभिभावकों व शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
2. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
3. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
4. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों तथा अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
5. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों तथा अध्यापनरत महिला शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
6. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
7. ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत महिला शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

उपकरणः–

शिक्षकों एवं अभिभावकों का मूल्यांकन की ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करने हेतु शोधकर्ती द्वारा स्वयं शोध में उपयोग हेतु निम्न उपकरण तैयार किया गया है।

मूल्यांकन – ग्रेडिंग प्रणाली अभिवृत्ति मापनी।

शोधविधि :– प्रस्तुत लघु शोध में आदर्शमूलक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी लघुशोध में मध्यमान, प्रामाणिक विचलन व 'टी' सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है।

प्रस्तुत शोध के परिणाम व निष्कर्ष :–

समग्र सारणी

क्र. सं.	परिकल्पना संख्या	समूह	न्यायदर्श	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता स्तर सार्थक / असार्थक
1	1	शिक्षक	120	175.81	25.80	0.38	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		अभिभावक	40	174.22	21.88		
2	2	सरकारी शिक्षक	60	175.56	27.12	0.136	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		अभिभावक	20	176.25	16.28		
3	3	निजी शिक्षक	60	176.06	24.41	0.581	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		अभिभावक	20	172.2	26.18		
4	4	सरकारी पुरूष शिक्षक	30	183.13	24.8	1.83	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		अभिभावक पुरूष	10	168.9	19.96		
5	5	सरकारी महिला शिक्षक	30	168	27.27	2.99	0.01 स्तर पर सार्थक है।
		महिला अभिभावक	10	183.6	4.88		
6	6	निजी पुरूष शिक्षक	30	175.73	27.75	0.88	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		पुरूष अभिभावक	10	165.4	33.43		
7	7	निजी महिला शिक्षक	30	176.4	20.52	0.474	किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है।
		महिला अभिभावक	10	179	12.66		

उल्लिखित समग्र सारणी में निजी तथा सरकारी शिक्षकों व अभिभावकों की ग्रेड़िग के प्रति अभिवृति के न्यायदर्श, मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी मूल्य एवं सार्थकता स्तर प्रस्तुत किये गये हैं।

विश्लेषण एवं व्याख्या :–

प्राककल्पना – 1

विश्लेषण एवं विवेचन–ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति अभिभावकों व शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति शिक्षकों व अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 175.81 व 174.22 है। प्रामाणिक विचलन 25.80 व प्रामाणिक विचलन 21.88 है। इन समूहों के मध्य टी का मान 0.38 प्राप्त हुआ जो किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। अर्थात अभिभावकों व शिक्षकों में ग्रेड़िग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण में अन्तर नहीं पाया जाता है।

प्राककल्पना – 2

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों व सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 175.56 तथा 176.25, प्रामाणिक विचलन 27.12 तथा 16.28 है इन दोनों के समूह

के मध्य टी का प्राप्त मान 0.136 किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। अतः कहा जा सकता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

प्राककल्पना – 3

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के शिक्षकों व अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 176.06 तथा अभिभावकों का 172.2 है। प्रामाणिक विचलन 24.41 तथा अभिभावकों का 26.18 है। इन दोनों समूहो के मध्य टी का मान 0.581 प्राप्त हुआ अतः किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। अतः कहा जा सकता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के अभिभावकों तथा शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

प्राककल्पना – 4

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों तथा अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति सरकारी विद्यालयों में अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों व पुरूष अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 183.13 तथा 168.9 है। प्रामाणिक विचलन 24.8 व 19.96 है। दोनों समूहों के टी का प्राप्त मान 1.83 है। अतः किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। अतः कहा जा सकता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों तथा अध्यापनरत शिक्षकों के दृष्टिकाण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है

प्राककल्पना – 5

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों तथा अध्यापनरत महिला शिक्षकों के दृष्टिकाण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति सरकारी विद्यालयों में अध्यापनरत महिला शिक्षकों व महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 168 तथा 183.6 है। प्रामाणिक विचलन 27.27 व 4.88 है। दोनों के मध्य टी का प्राप्त मान 2.99 है। जा कि 0.05 के स्तर व 0.01 के स्तर अधिक है अतः परिकल्पना दोनों स्तर पर सार्थक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत होती है। अतः कहा जा सकता है कि ग्रेड़िग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के सरकारी महिला शिक्षक व महिला अध्यापकों के दृष्टिकोण में अंतर पाया जाता है। शोधार्थी का मत है कि ग्रेड़िग प्रणाली पर कभी–कभी अविश्वसनीयता आ जाती है।

प्राककल्पना – 6

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति निजी विद्यालयों में अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों व पुरूष अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 175. 73 तथा 165.4 है। प्रामाणिक विचलन 27.75 व 33.43 है। दोनों समूहों के मध्य ज का प्राप्त मान 0.88 है अतः किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है। अतः कहा जा सकता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत पुरूष शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

प्राककल्पना – 7

विश्लेषण एवं विवेचन – ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत महिला शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

अतः सम्बन्धित परिकल्पना ''ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत महिला शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है। ''किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं होने के कारण स्वीकृत होती है।

ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति निजी विद्यालयों के महिला शिक्षकों व महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण का मध्यमान 176.4 व 179 है प्रामाणिक विचलन 20.52 व 12.16 है। दोनों समूहों के मध्य टी का मान 0.474 प्राप्त हुआ है। परिकल्पना किसी भी स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत होती है कहा जा सकता है कि ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों में अध्यापनरत महिला शिक्षकों तथा अध्ययनरत छात्रों के महिला अभिभावकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

निष्कर्षः–

- ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति अभिभावकों व शिक्षकों के दृष्टिकोण में सार्थक अन्तर नहीं होने के कारण कहा जा सकता है कि मूल्यांकन ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दोनों समूह साकारात्मक दृष्टिकोण रखते है।
- ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति सरकारी विद्यालय के शिक्षक अभिभावकों व निजी विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावकों के दृष्टिकोण में ग्रेड़िग प्रणाली के प्रति समान भाव रखते है।
- ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के पुरूष अभिभावकों व अध्ययनरत पुरूष शिक्षकों, निजी विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों व पुरूष अभिभावकों और निजी विद्यालयों की महिला शिक्षक व महिला अभिभावकों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया कहा जा सकता है। कि ग्रेडिग प्रणाली छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों में समन्वय समानता है जिससे छात्रों की शिक्षा उत्कृष्ट की ओर ले जायी जा सकती है।

प्रस्तुत शोध के शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध के अध्ययन से स्पष्ट है कि अभिभावकों तथा शिक्षकों में ग्रेडिंग प्रणाली का ज्ञान तो उच्च स्तर का है परन्तु ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण में अन्तर पाया गया है। इसका प्रमुख कारण विद्यालयों में नये शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रति अरूचि है साथ ही अभिभावकों पर अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर हमेशा दबाव बना रहता है। सामान्यतः ऐसे बहुत कम शैक्षिक सुधार है जिनमें छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों तथा अभिभावकों को भी बराबर महत्व दिया गया है। अतः किसी भी शैक्षिक सुधार चाहे वह परीक्षा से तथा मूल्यांकन से संबंधित हो उस पर अभिभावकों तथा शिक्षकों के विचारों को जानना आवश्यक है। यह लघु शोध इस क्षेत्र में एक लघु प्रयास है। शैक्षिक सुधार केवल सीमित प्रयासों द्वारा सफल नहीं बनाए जा सकते है। शिक्षक शैक्षिक प्रणाली का तथा अभिभावक छात्रों के जीवन का आधार है। अतः उनका योगदान आवश्यक है। अतः ग्रेडिंग प्रणाली की सफलता हेतु शिक्षकों में तथा अभिभावकों में उसके ज्ञान तथा उसके प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन आवश्यक है तथा जिन अभिभावकों तथा शिक्षकों में इस प्रणाली के ज्ञान का अभाव है उन्हें जानकारी देना आवश्यक है।

भावी अध्ययन हेतु सुझावः–

प्रस्तुत लघु शोध में शोधकर्ती ने शिक्षकों तथा अभिभावकों का मूल्यांकन की ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करने का लघु प्रयास किया है।

भावी शोधकर्त्ता इस संबंध में अध्ययन के लिए निम्नलिखित तथ्यों पर अध्ययन कर सकते है :–

- महाविद्यालय स्तर पर ग्रेडिंग व्यवस्था के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
- ग्रेडिंग प्रणाली के फलस्वरूप छात्रों की आकांक्षा स्तर पर, अध्ययन आदतो पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
- ग्रेडिंग प्रणाली के प्रति छात्र–छात्राओं के दृष्टिकोण का अध्ययन।
- ग्रेडिंग प्रणाली तथा पारम्परिक अंक प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन।
- ग्रेडिंग प्रणाली लागू होने के पश्चात ` विभिन्न बोर्डों में छात्रों की कमी या बढ़ोतरी का अध्ययन।
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के शिक्षकों में ग्रेडिंग प्रणाली को राजस्थान में लागू करने सम्बन्धित अध्ययन।

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

- गुड एण्ड हट्ट (1954) '' मैथड्स इन सोशल रिसर्च'' मेग्रोहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क–1952

- गिलफोर्ड जे.पी., ''साइकोमेट्रिक मैथड्स'', टाटा मेकग्राहिल पब्लिशिंग हाउस कम्पनी लि., नई दिल्ली
- अनास्तासी ए., ''साइक्लोजिकल टैस्टिंग'' मेकमिलन कम्पनी, न्यूयार्क–1961
- गैरिट हेनरी ई. (1973), ''शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी प्रयोग'', तृतीय संस्करण, लॉयल बुक डिपो, लुधियाना
- कपिल एच.के., '' सांख्यिकी के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा
- शर्मा आर.ए. (2007), ''मापन मूल्यांकन एवं साख्यिकी'', लायल बुक डिपो, मेरठ
- एन.सी.आर.टी. (1987) नेशनल सेमिनार ऑफ स्केलिंग एण्ड ग्रेडिंग इन पब्लिक एग्जामिनेशन, न्यू दिल्ली।
- एन.सी.ई.आर.टी. (2000) ए मोनोग्राफ ऑन ग्रेडिंग इन स्कूल, नई दिल्ली।